प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित एकमात्र हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १८ – अंक १२८ – शनिवार २३ सितंबर २०२३ | पुणे | RNI NO.MAH HIN/2005/15277 | २ रुपए

siddhantsamachar.com | @SiddhantSamachar | facebook.com/siddhantsamachar | siddhantsamachar@gmail.com

CAYM EDUCATION TRUST'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS

APPROVED BY AICTE, PCI - NEW DELHI, Affiliated to Savitribai Phule Pune University, MSBTE, RECOGNISED BY GOVT.OF MAHARASHTRA

"Empowering Students to Become Future Leaders….."

Admissions Open: 2023-2024

Courses offered by Siddhant Group of Institution.

COURSES		INTAKE	DTE CODE
Siddhant College Of Engineering*	Diploma (AI&ML, Electrical, Mechanical, E&TC, Computer, Civil)	360	6149
	B. E. (Mechanical, Computer, I.T., E&TC, Civil)	360	
	M.E. (E&TC (VLSI), I T, Computer, Design Engineering)	84	
Siddhant College of Pharmacy*	B. Pharmacy.	100	PH - 6258
	M. Pharmacy.	24	MPH -6258
	Diploma Pharmacy.	60	D - 6515
	Diploma Pharmacy [Women].	60	D - 6922
Siddhant College Of Management*	M. B. A. (Master of Business Administration)	180	6134
Siddhant College Of Computer Application	M. C. A. (Master of Computer Application)	120	6240
Siddhant International School	Nursery to XII (CBSE Affiliated)	-	-
Siddhant College of Management Studies*	B. B. A. – (Bachelor of Business Administrator)	80	----
	B. B. A. [C. A.] – (Bachelor of Computer Application)	80	----
	B.A. (Bachelor of Arts)	80	
	B.Sc. (Bachelor of Science)	80	----
	B. Com (Bachelor of Commerce)	80	----
	M. Com (Master of Commerce)	60	----
	Post Graduate Diploma in Banking & Finance	60	----
	Post Graduate Diploma in Taxation	60	

* NAAC Accredited Institutes. | 100% Placement Assistance | www.siddhantinstitutes.in

For Admission Assistance please Contact following numbers:

Pharmacy :	M.B.A.:	M.C.A. :	Management Studies:	Engineering. :
Mrs. Shanan Yadav 84688 55688	Dr. Pratap Pawar 9423270598	Prof. Nitin Shrirao 9850005059	Dr. Yogesh Patil 9689493733	Prof. Bhagwat Kedar 9923906993

- Boys & Girls Hostel Facility Available in Campus
- Transport Facility Available from various locations of Pune & Pimpri -Chinchwad & Khed

Address: Chakan – Talegaon Road., Near Chakan Auto Hub, Sudumbare, Pune, 412109

मोबिल पावरिंग द्वारा पहली बार मोटोजीपी भारत का जश्न मना रहा है रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग टीम

नई दिल्ली – 22 से 24 सितंबर, 2023 तक भारत के 2023 ग्रैंड प्रिक्स के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में डेब्यू करते हुए मोटोजीपी भारत के उद्घाटन में मोबिल भारत में रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग टीम को टर्बो–पावर कर रहा है। एक्सॉनमोबिल और रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग टीम के बीच वैश्विक साझेदारी का जश्न मनाते हुए, दो सवारों – ऑस्ट्रेलियाई जैक मिलर और दक्षिण अफ्रीकी ब्रैड बाइंडर द्वारा एड्रेनालाईन–पंपिंग प्रदर्शन, जिनके लिए जीतना एक स्वभाव है, जिन्होंने वैश्विक सर्किट स्तर पर अपनी क्षमता और कौशल का प्रदर्शन किया है, इनकी केटीएम आरसी16 बाइक्स के पूर्ण–दमदार प्रदर्शन का गवाह बनेगा। दोनों राइडर्स अपनी ग्रांड प्रिक्स बाइक्स को मोबिलज्ड द्वारा सुनिश्चित प्रदर्शन और आत्मविश्वास से संचालित करेंगे। उन्होंने हाल ही में जेपी ग्रीन्स में आयोजित मोबिल कार्यक्रम में प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया, जहाँ जैक मिलर ने मोबिल सुपर मोटो 10डब्ल्यू–30 को लॉन्च किया था। सिद्ध इंजन सुरक्षा, लंबा इंजन जीवन और बेहतर ईंधन किफायत के साथ, मोबिल सुपर मोटो10डब्ल्यू–30 बिल्कुल वही है जो देश भर में रोजमर्रा के सवारों को चाहिए। इसके अलावा, उत्पाद पैकेजिंग में अब इसके लेबल पर रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग टीम का लोगो होगा। मोबिल ब्रांड को बाइक, राइडर ओवरऑल, गैराज और टीम किट पर भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। एक्सॉनमोबिल ल्यूब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ, विपिन राणा ने कहा: "हम रेड बुल परिवार के साथ मोटरस्पोर्ट्स की दुनिया में अपनी उपस्थिति का और विस्तार कर रहे हैं। फॉर्मूला1 में ओरेकल रेड बुल रेसिंग टीम के साथ हमारी वर्तमान सफल साझेदारी के अलावा, हमने रेड बुल केटीएम रेसिंग टीम के साथ बहु–वर्षीय समझौते के माध्यम से मोटोजीपी में भी प्रवेश किया है। हम केटीएम के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए अपने अत्याधुनिक मोबिल ल्यूब्रिकेंट्स और ईंधन की आपूर्ति के माध्यम से टीम की सफलता का हिस्सा बनने के लिए तत्पर हैं। रेसिंग मोबिल को मोटरसाइकिल ल्यूब्रिकेंट्स प्रौद्योगिकी में सुधार करने के लिए अंतिम परीक्षण मैदान प्रदान करती है, जिससे सभी बाइक उत्साही लोगों को आत्मविश्वास और विश्वास मिलता है। केटीएम मोटरस्पोर्ट्स निदेशक, पिट बेयरर: "यह सहयोग कुछ कारणों से हमारे लिए महत्वपूर्ण है। एक्सॉनमोबिल रेसिंग में बड़ी उपस्थिति के साथ उद्योग और मोटरस्पोर्ट्स में एक प्रमुख नाम है और हम जानते हैं कि हम अपने रेड बुल केटीएम आरसी

16 के लिए इनके प्रीमियम ल्यूब्रिकेंट्स पर भरोसा करेंगे। जब शीर्ष स्तर और सर्वोत्तम प्रदर्शन का लक्ष्य रखने की बात आती है तो इनकी मानसिकता हमारे जैसी ही होती है, और यह भविष्य के लिए हमारे लक्ष्यों में भी शामिल होती है जहाँ हम वास्तव में रेस ईंधन के साथ मोटोजीपी की स्थिरता में इस बदलाव का हिस्सा बनना चाहते हैं। केटीएम के, मोटोजीपी प्रतियोगिता में हम मोबिल ल्यूब्रिकेंट्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हैं।"

सिद्धांत समाचार
शनिवार २३ सितंबर २०२३

मोदी के नेतृत्व में बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है भारत

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, भारत आज अपने स्वर्णिम काल में प्रवेश कर गया है। जनसंख्या की दृष्टि से भी भारत आज विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है और भारत को वैश्विक स्तर पर सबसे युवा देश कहा जा रहा है। जबकि, भारत की तुलना में विश्व के कई अन्य विकसित देशों जैसे, जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका, फ्रांस, इटली, ब्रिटेन आदि में बुजुर्ग आबादी की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इतिहास का यह खंडकाल भारत के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण काल कहा जा सकता है क्योंकि एक तो भारत पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है तो वहीं भविष्य को लेकर भी भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भव्य सम्भावनाएं व्यक्त करते हुए केवल यह दशक ही नहीं बल्कि यह शताब्दी ही भारत की बता रहे हैं। 1980 के दशक के मध्य, वर्ष 1985 में, भारत विश्व की 10 सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था (अमेरिका, सोवियत यूनियन, जापान, पश्चिमी जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, इटली, कनाडा, चीन और भारत)। परंतु अगले दो दशकों से भी अधिक समय तक भारत उक्त सूची में से बाहर हो गया। फिर वर्ष 2014 आते आते भारत एक बार पुनः विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया। इसके बाद से तो भारतीय अर्थव्यवस्था ने तेज रफ्तार पकड़ ली है और वर्ष 2022 में भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब तो भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 के पूर्व भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आर्थिक क्षेत्र में भारत के विकास की कहानी को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सुधारों की सफल कहानी भी कहा जा सकता है। वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, भारत के बढ़ते महत्व के चलते विभिन्न देश एवं वैश्विक संस्थान भारत की आवाज को अब गम्भीरता से लेने लगे हैं। भारतीय सनातन संस्कृति, परम्पराओं एवं मर्यादाओं का पालन करते हुए भारत ने आर्थिक क्षेत्र में अतुलनीय प्रगति की है। आज भारत, विश्व की सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पिछले 9 वर्षों के दौरान 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ा है। वैश्विक स्तर पर जहां सकल घरेलू उत्पाद 3 से 3.5 प्रतिशत के बीच बढ़ रहा है वहीं भारत में यह 7 प्रतिशत से अधिक की गति से आगे बढ़ रहा है और यह आर्थिक विकास दर आगे आने वाले लम्बे समय तक बने रहने की भरपूर सम्भावना है क्योंकि भारत के पास बहुत बड़ी मात्रा में युवा, सक्षम एवं शिक्षित आबादी है, जो भारत के लिए एक 'पावर हाउस' बनकर उभर रही है। भारत के पास मजबूत बैंकिंग व्यवस्था है, जो उद्यमियों को पूंजी उपलब्ध कराने में हमेशा आगे रहती है। सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित निजी क्षेत्र के बैंकों में भी गैरनिष्पादन कारी आस्तियों को बहुत कम स्तर पर लाया गया है एवं इन लगभग सभी बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े बैंकों के समतुल्य पहुंच गया है। भारत में हाल ही के समय में आधारभूत ढांचा खड़ा करने के लिए अभूतपूर्व कार्य सम्पन्न हुआ है। सड़क मार्ग, रेल यातायात, समुद्रीय मार्ग से यातायात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आधारभूत ढांचा में हुए जबरदस्त सुधार के चलते कई बहुराष्ट्रीय विदेशी कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयां भारत में स्थापित करने की ओर लालायित हो रही हैं। परिवहन सम्बंधी आधारभूत ढांचे के साथ ही संचार सम्बंधी आधारभूत ढांचे में भी अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। आज इंटरनेट की सुविधाएं भारत के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच गई हैं एवं ग्रामों में निवासरत नागरिकों के पास भी स्मार्ट फोन उपलब्ध हैं जिसके चलते सूचनाओं एवं जानकारी का आदान प्रदान तुरंत हो पा रहा है एवं इससे देश के दूर दराज इलाकों में भी आर्थिक व्यवहार करने में बहुत आसानी हो गई है। जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं एवं इन खातों में आज 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा हो गई है, जो देश के गरीब नागरिकों की ओर से भारत के आर्थिक विकास में उनके योगदान के रूप में देखी जा सकती है। बुनियादी ढांचे को विकसित करने के अलावा नागरिकों को घरेलू स्तर की सामान्य सुविधाएं जैसे शौचालय, पीने का पानी, खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन एवं बिजली आदि की सुविधाएं भी सफलता पूर्वक उपलब्ध कराई जा रही हैं। भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी धाक पूरे विश्व में ही जमाई है। इस क्षेत्र में भारत पूरे विश्व के लिए एक पावर हाउस की भूमिका अदा करता हुआ दिखाई दे रहा है। अब तो स्टार्ट अप के क्षेत्र में भी भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ गया है। भारतीय युवाओं ने इन क्षेत्रों में अपना लोहा वैश्विक स्तर पर मनवा लिया है। भारत डिजिटल आधारभूत ढांचे को विकसित करने में भी सफल रहा है, जिससे देश की विशाल आबादी को प्रदान की जाने वाली तमाम सेवाओं का डिजिटलीकरण करने में आसानी हुई है, जैसे मनी ट्रांसफर, कैश ट्रांसफर आदि। भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल व्यवहारों का प्रतिशत बहुत बढ़ा है। इससे दूर दराज के क्षेत्रों में निवास कर रहे नागरिकों को प्रदान की जा रही सरकारी सुविधाओं को डिजिटल ढांचे के माध्यम से पहुंचाने में बहुत आसानी हुई है। भारत की देखा देखी वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के नागरिकों को भी विभिन्न सेवाओं के डिजिटलीकरण का महत्व समझ में आया है। आज भारत टेक्नॉलाजी की दुनिया के कुछ सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया है। एपल, गूगल एवं एमेजोन जैसी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत में अपनी गतिविधियां बढ़ाने की बात कही है। बुनियादी ढांचे के विकास के साथ ही भारत के नागरिकों की रोजगार के लिए अब कृषि क्षेत्र पर निर्भरता धीरे धीरे कम हो रही है। अब सेवा के क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने लगे हैं एवं साथ ही विनिर्माण इकाईयों के स्थापित होने से उद्योग के क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना अब सरकार के लिए एक प्राथमिक कार्य की श्रेणी में आ गया है। भारतीय डॉक्टर, इंजीनीयर एवं प्रबंधन में विशेषज्ञता हासिल किये हुए युवाओं की विकसित देशों में भारी मांग है एवं इसके कारण कई भारतीय युवा अब रोजगार के लिए इन देशों की ओर भी रुख करने लगे हैं। फिर भी आज कुल मिलाकर 42.9 प्रतिशत नागरिक कृषि क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, 31.1 प्रतिशत नागरिक सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, (9.4 प्रतिशत नागरिक पब्लिक सेवा क्षेत्र में), 13.5 प्रतिशत नागरिक निर्माण (कन्स्ट्रक्शन) क्षेत्र में एवं 11.7 प्रतिशत नागरिक विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं। आज जब विश्व के कई देश आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में कई गम्भीर समस्याओं से जूझ रहे हैं और वे इन समस्याओं को हल करने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहे हैं, इन गम्भीर परिस्थितियों के बीच भारतीय सनातन संस्कृति एवं परम्पराएं इन देशों के लिए आशा की किरण के रूप में दिखाई दे रही हैं। भारत ने न केवल आर्थिक क्षेत्र में विभिन्न गम्भीर समस्याओं को हल करने में सफलता पाई है बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी सनातन संस्कृति एवं परम्पराओं का अनुपालन करते हुए कई प्रकार की सामाजिक समस्याओं को भी सफलतापूर्वक हल किया है। विकसित देशों में पूंजीवाद को अपनाने के चलते इन देशों के नागरिकों में व्यक्तिवाद की भावना पनपी है। जिसके कारण भोगवाद अपने चरम स्तर पर पहुंच गया है एवं हर व्यक्ति में "मैं और मेरा" की भावना बलवती हुई है। समाज तो बहुत दूर हो ही गया है परंतु संयुक्त परिवार की परम्परा भी टूट गई है एवं व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों की सहायता करने को भी तैयार नहीं है। परिवार के बुजुर्ग सदस्य सरकार की सहायता पर निर्भर हैं। सामाजिक ताना बाना छिन्न भिन्न हो गया है। इन देशों में दंपतियों के बीच तलाक की संख्या खध्तरनाक स्तर पर पहुंच गई है। बहुत भारी संख्या में नन्हें बच्चे केवल अपनी माता की देखरेख में ही बड़े हो रहे हैं और उन्हें अपने पिता के बारे में तो जैसे जानकारी ही नहीं है। इससे इन बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव पड़ रहा है एवं वे समाज में आसानी से गलत राह पर चल पड़े हैं। कुल मिलाकर इन देशों में नागरिकों में हिंसा की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति एवं संस्कारों के अनुसार, भारतीय नागरिकों में "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना का संचार इनके बचपन में ही किया जाता है जिससे भारतीय नागरिकों में "सर्वे भवंतु सुखिनः" के विचार प्रतिपादित होने लगते हैं। बचपन में ही भारतीय नागरिकों को पर्वत, नदियों, पेड़, पौधों, समस्त प्राणियों का आदर एवं पूजा करना सिखाया जाता है, जिससे भारतीय नागरिक अन्य देशों में जाकर शांतिप्रिय तरीके से प्रकृति एवं इन देशों में समस्त प्राणियों का सम्मान करते दिखाई देते हैं और इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं के विकास में अपना भरपूर योगदान देते हैं। आज, विश्व में 10 देशों के राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री भारतीय मूल के नागरिक ही बन गए हैं। इसके अलावा, कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी भारतीय मूल के नागरिक बन गए हैं। अतः आज विश्व के कई देश अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के हल हेतु भारतीय सनातन संस्कृति एवं परम्पराओं की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं।

कचरी की सब्जी को खाने के फायदे

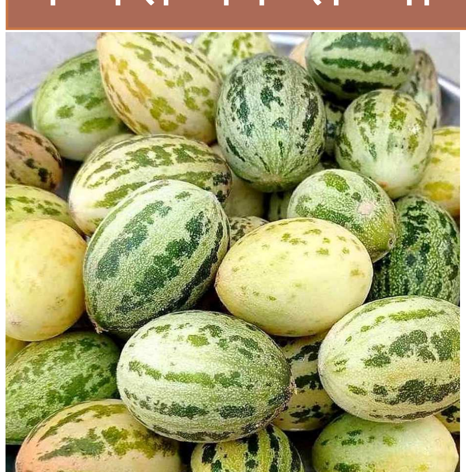

कुंदरू की तरह दिखने वाली ये सब्जी स्वाद में भी इसी की तरह होती है। इस सब्जी को गांव में लोग अचार बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा कई इलाकों में इसका सूप बनाकर पिया जाता है। लेकिन, खास बात इनके उन गुणों में है जिसकी वजह से लोग इसे खाने में शामिल करते हैं। इस सब्जी में जहां प्रोटीन होता है वहीं,ये फाइबर से भी भरपूर है। इसके अलावा इसमें कई विटामिन और न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं जिन्हें खाना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। तो, आइए विस्तार से जानते हैं इस सब्जी को खाने के फायदे। कचरी की सब्जी विटामिन सी से भरपूर होती है जो कि इम्यूनिटी बिल्डअप में मददगार है। साथ ही इसका खट्टापन आपके शरीर में कुछ एंटीबैक्टीरियल गुण और एंटीऑक्सीडेंट देता है जिससे इम्यून सेल्स मजबूत होते हैं और आप कई बीमारियों से बच पाते हैं। कचरी मूत्रवर्धक है यानी कि ड्यूरेटिक जो कि शरीर में पेशाब के फ्लो को बढ़ावा देती है और फिर यूटीआई इंफेक्शन या फिर ब्लैडर से जुड़ी बीमारयों से बचाव करती है। इसके अलावा जिन पुरुषों और महिलाओं में पानी की कमी से पेशाब में जलन और दूसरी समस्याएं हो जाती हैं, उन सब के लिए इस सब्जी का सेवन फायदेमंद हो सकता है। कचरी की सब्जी, बॉडी डिटॉक्स करने में भी मददगार है। इसे खाना शरीर में जमा गंदगी को बाहर निकालने और लिवर व किडनी की गंदगी को साफ करने में मदद करते हैं। इसके अलावा इस सब्जी को खाने से बैड कोलेस्ट्रोल और ट्राइग्लिसराइड को भी कम करने में मदद मिलती है। अगर आपको अपना शुगर कंट्रोल रखना है तो आपको कचरी की सब्जदी खानी चाहिए। क्योंकि ये लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला है जिसे खाना शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है। ये शुगर स्पाइक को रोकता है और डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद करता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको इस सब्जी का सेवन करना चाहिए। इसे खाना आपको कई रोगों से मुक्त कर सकता है।

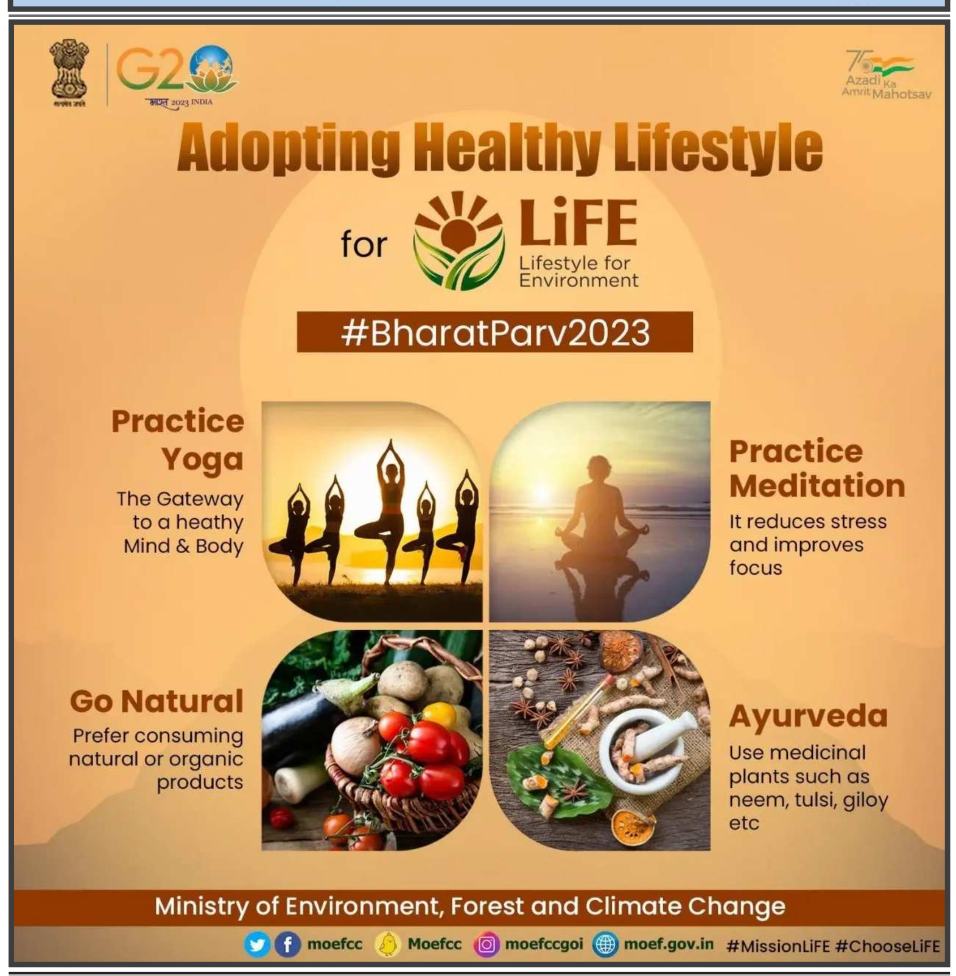

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

संजय राउत ने गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर जताई आशंका

पुणे – लोकसभा से महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। राउत ने कहा है कि उनकी पार्टी ने महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन किया लेकिन हमार रुख अलग था। राउत ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि बेहतर होता कि महिला आरक्षण की जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को दी जाती, लेकिन अब महिला आरक्षण के कारण कुछ बड़े नेता कभी भी संसद में नजर नहीं आएंगे। संजय राउत ने दावा किया है कि सरकार इसके लिए कुछ भी कर सकती है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि कल को वायनाड महिलाओं के लिए आरक्षित हो गया तो आप हम पर आरोप लगाओगे। राउत ने कहा कि वे कुछ भी कर सकते हैं। चुनाव आयोग उनके हाथ में है। वे यह कर सकते हैं। दोनों सदनों के कई नेता सदन के लिए दोबारा निर्वाचित नहीं होंगे। राउत ने कहा कि उन्हें लगता है कि इन नेताओं को आने से रोकने के लिए ये बिल जल्दबाजी में लाया गया है। विपक्षी दल में कई बड़े नेता हैं। वे भी उनकी पार्टी में होंगे। इन विधेयकों के कारण उन्हें सदन में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। राउत ने सवाल खड़ा किया कि क्या केवल लोकसभा और विधानसभाओं में विधायकों और सांसदों की संख्या बढ़ाने से सक्तिकरण हो जाएगा। राउत ने ऐसा बिल्कुल नहीं है। राउत ने आगे कहा कि राष्ट्रपति संसद का संरक्षक हैं। क्या यह महिलाओं का अपमान नहीं है कि हमने उसी राष्ट्रपति को सदन के उद्घाटन में नहीं बुलाया? हालांकि राउत ने मीडिया से बातचीत में कनाडा के मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। राउत ने कहा कि यह दो देशों के प्रधानमंत्री का मामला है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संदीप खर्डेकर को पुणे शहर महायुती के समन्वयक पद पर नियुक्त किया गया

पुणे – आने वाले समय में महायुती के सभी घटक दलों के बीच उचित समन्वय बनाए रखने के लिए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संदीप खर्डेकर को पुणे शहर महायुती के समन्वयक पद पर नियुक्त किया गया है. प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, पुणे जिले के पालकमंत्री चंद्रकांत पाटिल, शहराध्यक्ष धीरज घाटे के हाथों खर्डेकर को नियुक्ति पत्र सौंपा गया. इस मौके पर विधायक माधुरी मिसाल, विधायक भीमराव तापकीर, विधायक सिद्धार्थ शिरोले, प्रदेश महासचिव विक्रांत पाटिल, प्रदेश महासचिव मुरलीधर मोहोल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पांडे, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी रवि अनासपुरे, पुणे शहर प्रभारी अमर साबले, पूर्व अध्यक्ष जगदीश मुलीक व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. महायुती के घटक दल राष्ट्रवादी कांग्रेस, शिवसेना, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय समाज पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी, शिवसंग्राम संगठन, पतीत पावन संगठन के साथ विभिन्न समान विचारधारा वाली पार्टी, संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं से उचित समन्वय बनाकर सभी के सहयोग से आगामी लोकसभा,विधानसभा व महापालिका चुनाव में शानदार जीत हासिल करने का विश्वास संदीप खर्डेकर ने जताया है.

एरंडवणे में प्लॉट देने के नाम पर 5 करोड़ की ठगी

पुणे – एरंडवणे में 750 स्क्वायर मीटर का प्लॉट नाम पर करके देने का झांसा देकर तीन सीनियर सिटीजन को 5 करोड़ 19 लाख रुपए का चूना लगाने का मामला सामने आया है. इस मामले में कैलाश सखाराम जाधव (उम्र 60, नि. एकाक्ष सोसायटी, मॉडेल कॉलोनी) ने अलंकार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. इसके अनुसार पुलिस ने प्लॉटधारक महेंद्र शाह, महेंद्र भंडारी व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है. यह घटना 28 जनवरी 2015 से अब तक हुई है. इस मामले में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संदिग्ध आरोपी महेंद्र शाह व महेंद्र भंडारी ने एरंडवणे के सुनीता सोसायटी के प्लॉट मूल मालिक अत्रे से खरीदी थी. शिकायतकर्ता व उनके दो सहयोगियों को उन्होंने यह 750 स्क्वायर मीटर का प्लॉट नं. 1 नाम पर करके देने की बात कही. इसके बदले उनसे 5 करोड़ 19 लाख रुपए 2015 में लिए थे. इसके बाद वे समय समय पर प्लॉट नाम पर करके देने को टालते रहे. शिकायतकर्ता ने जब खुद से कागजात देखे तो इसमें 8 गुंठा जमीन की बात कही गई थी लेकिन प्रत्यक्ष में वह 7 गुंठा जमीन थी. उन्होंने जब अपने पैसे वापस मांगे तो उनके पैसे वापस न कर ठगी की गई. खुद के ठगे जाने का एहसास होने पर वे पुलिस के पास पहुंचे. क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्रीहरी बहिरट मामले की जांच कर रहे है.

आईटीआई की मैराथन स्पर्धा में २३५ प्रतियोगियों ने भाग लिया

जुन्नर – माणिकडोह (ता. जुन्नर) येथील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेने आयोजित केलेल्या पी. एम. स्किल रन मॅरेथॉन स्पर्धेत २३५ स्पर्धकांनी सहभाग घेतला. जुन्नर तालुक्यातील विविध औद्योगिक तसेच सहकारी संस्थेच्या विद्यार्थ्यांनी स्पर्धेस प्रतिसाद दिला. आयटीआय प्रशिक्षणार्थी अखिल भारतीय व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्ण झाल्यानंतर रोजगार, स्वयंरोजगार व शिकाऊ उमेदवार किंवा इतर उच्च शिक्षणाच्या उपलब्धा होणाऱ्या संधीबाबत जनजागृती करण्यासाठी ही स्पर्धा आयोजित केली होती. या प्रसंगी प्रा. दत्तात्रेय जगताप यांनी झेंडा दाखवून स्पर्धेचे उद्घ्याटन केले. तसेच, बारव येथील आदिवासी समाज प्रबोधिनीच्या सभागृहात पारितोषिक वितरण समारंभ पार पडला. महिला गटात शीतल भंडारी, भाग्यश्री भंडारी, कीर्ती तांबे यांनी तर पुरुष गटात प्रतीक जाधव, लहू खरात, दिशांत मेहेर यांनी प्रथम तीन क्रमांक मिळविले. बालविकास प्रकल्प अधिकारी रवींद्र तळपे यांच्याकडून सन्मानचिन्ह व प्रमाणपत्र देऊन गौरविण्यात आले. स्पर्धेत सेवानिवृत्त माजी नायब तहसीलदार शंकरराव कचरे यांचा विशेष सहभाग होता. क्रीडाशिक्षक मयूर बोंबले, सुनील बढे यांनी परीक्षक म्हणून काम पाहिले. या वेळी अखिल भारतीय व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्ण झालेल्या प्रशिक्षणार्थ्यांचा पदवीदान समारंभ झाला. गटनिर्देशक अशोक टेके यांनी आयटीआय प्रवेशाची माहिती दिली. गणेश पापडे यांनी सूत्रसंचालन केले. अविनाश मेहेर यांनी आभार मानले.

किकवी में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

नसरपुर – पुणे–सतारा हाईवे पर सोमवार (18 तारीख) की आधी रात को किकवी (ता.भोर) गांव की सीमा में एक अज्ञात वाहन ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी. इससे बाइक सवार की मौत हो गयी. इस दुर्घटना में दत्तात्रेय नारायण निगड़े (नि. केदारेश्वर मंदिर शिरवाल जिला खंडाला) की मृत्यु हो गई। उनके भतीजे विश्वास प्रकाश निगड़े ने राजगढ़ पुलिस स्टेशन को बताया कि निगड़े शिरवल जा रहे थे, तभी किकवी में अंकुर अस्पताल के पास राजमार्ग पर एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। इस संबंध में राजगढ़ थाने में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. आगे की जांच पुलिस नायक गणेश लाडकट कर रहे हैं.

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति की आरती

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार (21 सितंबर) शाम को श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति के दर्शन किए. उन्होंने मंडप में गणपति की आरती की और प्रदेश में सुख–शांति तथा समृद्धि की कामना की. इस अवसर पर श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई सार्वजनिक गणपति ट्रस्ट और सुवर्णयुग तरूण मंडल की ओर से ट्रस्ट की ओर से उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया. यहां ट्रस्ट के महासचिव हेमन्त रासने, कोषाध्यक्ष महेश सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष सुनील रासने, महोत्सव के प्रमुख अक्षय गोडसे, महासचिव अमोल केदारी समेत पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे. इससे पहले उत्सव पंडाल में दिन भर कई संस्थाओं के प्रमुखों का दर्शन के लिए आना–जाना होता रहा. सदर्न कंमाड के कई अधिकारियों और जवानों ने भारत माता की जय के नारे लगाते हुए दगडूशेठ गणपति की आरती की. इस मौके पर 330 कमांड के जवानों ने दगडूशेठ गणपति के चरणों में नमन किया. श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई सार्वजनिक गणपति ट्रस्ट और सुवर्णयुग तरूण मंडल ने ट्रस्ट के 131वें गणेश महोत्सव में जवानों का स्वागत किया. इस समय लेफ्टिनेंट जनरल ए. के. सिंह, मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, मेजर, कैप्टन, सूबेदार समेत वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने आरती की. ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष महेश सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष सुनील रासने, महोत्सव के प्रमुख अक्षय गोडसे, महासचिव अमोल केदारी, राजाभाऊ पायमोडे, इंद्रजीत रायकर, माऊली रासने, राजू आखाडे, अमोल चव्हाण और अन्य उपस्थित थे. पुणे में 24 मराठा बटालियन, 15 जाट बटालियन और 1 महार बटालियन के सैनिक और उनके परिवार इस आरती में शामिल हुए. पूरा इलाका गणपति बप्पा मोरया.. के जयकारे से गूंज रहा था. सदर्न कमांड द्वारा ट्रस्ट को सम्मानित किया गया.

मनपा ने बिना एग्रीमेंट 82 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन बनाने की दी मंजूरी

मनपा ने पर्यावरण अनुकूल ई–वाहनों के लिए ई–चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया है. इसके लिए 82 जगहों पर चार्जिंग स्टेशन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है. हालांकि यह बात सामने आई है कि मनपा ने इस संबंध में ठेकेदार से कोई एग्रीमेंट (समझौता) नहीं किया है. इसके बाद भी मनपा की ओर से ठेकेदार को महत्वपूर्ण स्थानों पर होने वाली जगहों को देने का निर्णय लिया गया है. शहर में ई–वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. इसलिए मनपा ने ई–चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की नीति अपनाई है. इसके मुताबिक शहर में 82 जगहों पर चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे. उस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है. प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद मनपा ने संबंधित ठेकेदार को वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया है. लेकिन यह बात सामने आई है कि प्रस्ताव के मुताबिक कोई सहमति नहीं बन पाई. इसके बाद भी मनपा ठेकेदार को महत्वपूर्ण स्थान देने की योजना बना रही है. मनपा ने उद्यान, क्षेत्रीय कार्यालयों, नाट्यगृह, अस्पतालों और पार्किंग स्थलों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए निविदाएं जारी की थीं. इस टेंडर में संबंधित कंपनी महत्वपूर्ण स्थानों का आठ साल तक निःशुल्क उपयोग कर सकेगी. ठेकेदार द्वारा कमाए गए मुनाफे का 50 प्रतिशत हिस्सा मनपा को मिलेगा. इसमें चार्जिंग के लिए उपकरण, मोबाइल एप्लिकेशन, बिजली मीटर की खरीद, बिजली बिल का भुगतान और चार्जिंग स्टेशनों के रखरखाव जैसी शर्तें हैं. साथ ही ठेकेदार से मनपा को 25 लाख रुपये की बैंक गारंटी लेने समेत अन्य शर्तें भी हैं. हालांकि, बिना बैंक गारंटी लिए ठेकेदारों के लिए जगह की तलाश की जा रही है.

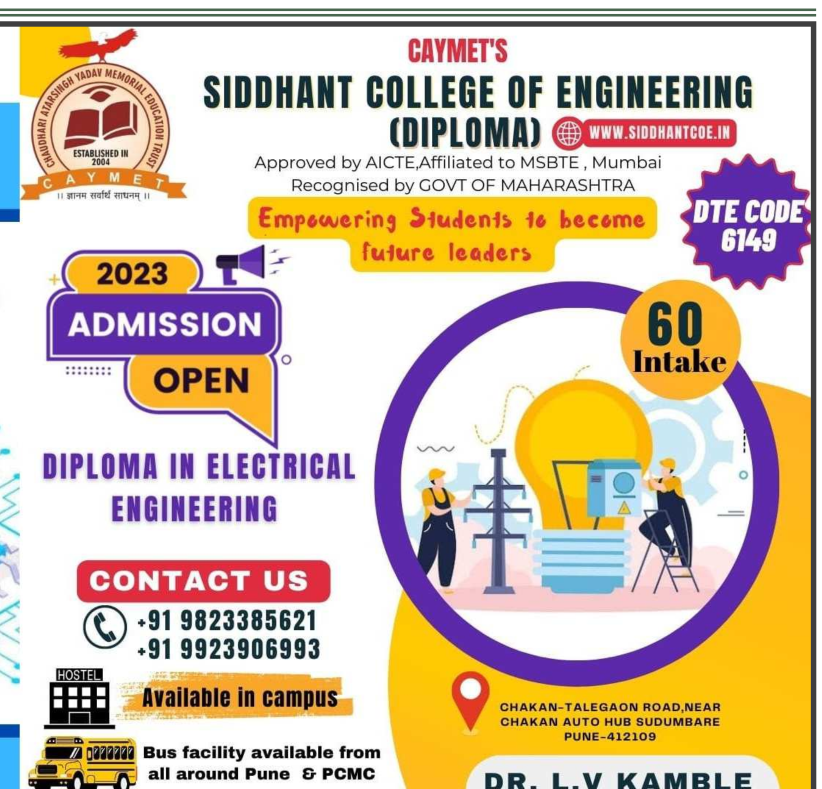

खेल–सिनेमा

भारतीय वॉलीबॉल टीम ने चीनी ताइपे पर शानदार जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

भारतीय पुरुष वालीबॉल टीम ने शानदार लय जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां चीनी ताइपे पर 3–0 की जीत से एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दक्षिण कोरिया पर शानदार जीत हासिल करने के बाद भारत ने शुक्रवार को चीनी ताइपे पर एक घंटे 25 मिनट में 25–22, 25–22, 25–21 से जीत दर्ज की और पहले से छठे स्थान के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। भारत रविवार को जापान या कजाखस्तान के सामने होगा। भारतीय टीम पहले पिछड़ रही थी लेकिन एरिन वर्गीज ने 11–13 से अंतर कम कराया जिसके बाद 21–21 की बराबरी हासिल की। फिर वर्गीज और अश्वल राय ने अंतिम दो अंक जीतकर भारत को बढ़त दिलायी। दूसरे सेट में एक समय स्कोर 17–17 से बराबर था लेकिन भारतीय टीम ने अंतिम क्षण में लगातार अंक जुटाकर 25–22 से इसे भी अपने नाम किया। निर्णायक सेट में भारतीय टीम एक समय 10–4 से आगे थी लेकिन बढ़त गंवाकर 14–14 की बराबरी पर आ गयी। पर उन्होंने 21–18 की बढ़त बनाकर 25–21 से इसे जीत लिया।

कांस्य पदक के साथ अंतिम पंघाल का शानदार अभियान वर्ल्ड चैंपियनशिप में समाप्त हुआ

भारतीय युवा पहलवान अंतिम पंघाल का शानदार अभियान कांस्य पदक के साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में समाप्त हुआ। वहींअंतिम ने देश को पेरिस ओलंपिक के लिए 53 किग्रा कोटा भी दिलाया। 19 वर्षीय पंघाल दो बार की यूरोपीय चैंपियनय स्वीडन की जोना मालमग्रेन पर जीत के साथ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली 8वीं भारतीय महिला बन गई हैं। कांस्य पदक के इस मुकाबले में का मुकाबला हाई स्कोरिंग रहा। अंत में अंतिम पंघाल ने तकनीकी श्रेष्ठता की जीत हासिल की। पेरिस में अगले साल ओलंपिक गेम्स होने हैं। ये पेरिस 2024 के लिए कुश्ती में भारत का पहला कोटा भी है। पंघाल ने मैच की शुरुआत काफी तेज की और 5–0 की बढ़त बना ली। इसके बाद स्वीडन की रेसलर ने वापसी करते हुए लगातार 6 पॉइंट हासिल किए और मुकाबला रोचक बना दिया। पहले पीडियड के अंत में अंतिम को एक और पॉइंट मिला और मुकाबला 6–6 पर आ गया। दूसरे पीडियड ने दो बार की अंडर–20 वर्ल्ड चैंपियन अंतिम पंघाल ने जोना मालमग्रेन को कोई मौका नहीं दिया और लगातार 10 पॉइंट हासिल करके मुकाबला 16–16 कर दिया। इसके बाद तकनीकी श्रेष्ठता पर उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया। भारतीय पहलवान संयुक्त विश्व कुश्ती के ध्वज तहत टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। क्योंकि, देश का कुश्ती महासंघ भारतीय कुश्ती महासंघ निलंबित है।

प्राइम वीडियो ने हॉस्टल डेज सीजन ४ का ट्रेलर लॉन्च किया

भारत में दर्शकों के मनोरंजन के लिए सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने युवाओं के बीच सबसे लोकप्रिय कॉमेडी ड्रामा में से एक, टीवीएफ के हॉस्टल डेज के आखिरी चौप्टर का ट्रेलर लॉन्च किया। सीरीज के अंतिम सीजन में दोस्तों की यह टोली उम्र के अगले पड़ाव की ओर आगे बढ़ने से पहले, अपने हॉस्टल लाइफ को अलविदा कहने के लिए आखिरी बार वापस आएगी। टीवीएफ) द्वारा क्रिएट की गई इस 6 एपिसोड की सीरीज के निर्देशन की कमान अभिनव आनंद ने संभाली है, जिसमें अहसास चन्ना, लव विस्पुते, शुभम गौड़, निखिल विजय, आयुषी गुप्ता और उत्सव सरकार ने मुख्य किरदार निभाए हैं, जबकि इसमें फैसल मलिक, गोपाल दत्त, अभिलाष थपलियाल, जैमिनी पाठक और देवेन भोजानी ने नैरेटर के रूप में अपना योगदान दिया है। 27 सितंबर को भारत के साथ–साथ दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर इस सीजन का प्रीमियर होगा। हॉस्टल डेज सीजन 4 प्राइम मेंबरशिप में शामिल की गई सबसे नई सीरीज है। भारत में प्राइम मेंबर्स सालाना सिर्फ ध्1499 की मेंबरशिप लेकर खरीदारी पर बचत, ढेर सारी सुविधाओं और मनोरंजन का आनंद लेते हैं। हॉस्टल डेज सीजन 4 के ट्रेलर में हमेशा साथ रहने वाले छह दोस्तों की जिंदगी की एक झलक दिखाई गई है, और वे सभी कॉलेज के फाइनल ईयर में हैं। एक तरफ कुछ लोग पूरी लगन के साथ अपने भविष्य के करियर की तैयारी में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ कुछ लोग अपने पक्के दोस्तों की टोली के साथ वर्तमान समय का आनंद ले रहे हैं। उलझन भरे रिश्तों को सुलझाने, दिल की धड़कनें बढ़ा देने वाले जॉब इंटरव्यू का सामना करने, और प्यारी दोस्ती का जश्न मनाने जैसे ढेर सारे अनुभवों के उतार–चढ़ाव के बीच–इस सीजन में भरपूर हंसी, बेहद मनोरंजक ड्रामा और दिल छू लेने वाली दोस्ती दिखाई गई है, जो वाकई इस प्यारे से सफर का शानदार समापन है।

सोनी सब के शो पश्मीना में गौरी तेजवानी एक मजबूत, स्वतंत्र और आत्मविश्वासी प्रीति की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी

सोनी सब का आगामी शो 'पश्मीना – धागे मोहब्बत के' कश्मीर की जादुई घाटी में सेट और शूट की गई एक खूबसूरत प्रेम कहानी लाने के लिए तैयार है। कश्मीर में श्रीनगर और गुलमर्ग के सुरम्य परिदृश्य में शूट किया गया, यह शो अपने दर्शकों के लिए छोटे पर्दे पर बड़े स्क्रीन का सिनेमाई अनुभव लाने का वादा करता है। पश्मीना का किरदार निभाने वाली ईशा शर्मा और राघव का किरदार निभाने वाले निशांत मलकानी ने अपने किरदारों को जीवंत किया है, जो भले ही अलग–अलग बैकग्राउंड से आते हों, लेकिन किस्मत उन्हें साथ लाई है। इस मनोरम कथा में, गौरी तेजवानी पश्मीना की मां प्रीति सूरी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रीति एक मजबूत, स्वतंत्र महिला हैं और जीवन भर वह अपनी बेटी की सबसे बड़ी समर्थक रही हैं। आत्मनिर्भरता में उनके विश्वास ने पश्मीना को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने के लिए सशक्त बनाया है। प्रीति सूरी एक महत्वपूर्ण किरदार होंगी, क्योंकि उनके फैसले और कार्य इन दो प्रेमियों के भाग्य में एक निर्णायक भूमिका निभाएंगे, जो उनके रिश्ते को आकार देंगे। प्रीति सूरी की भूमिका निभाने वाली गौरी तेजवानी ने कहा, "पश्मीना का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय अनुभव है, क्योंकि यह कश्मीर की मनमोहक पृष्ठभूमि में क्लासिक रोमांस के कालातीत तत्वों को बहुत अच्छे तरीके से एक साथ बुनता है। शो की स्क्रिप्ट वाकई असाधारण है और इस तरह के शो में सोनी सब के साथ सहयोग करने का अनुभव बेहद आनंददायक रहा है। कश्मीर की सुंदरता के बीच शूटिंग करने से बचपन की कई यादें ताजा हो जाती हैं, जिससे ऐसा महसूस होता है जैसे खुशीकृखुशी घर वापस आ गए हों। मैं प्यार के विचार में विश्वास रखने वाली प्रीति जैसे किरदार को पर्दे पर जीवंत करने का अनूठा अवसर पाकर खुश हूं। मुझे सचमुच उम्मीद है कि दर्शक भी उसी तरह से उत्साहित होंगे और इस खूबसूरत यात्रा का उतना ही आनंद लेंगे जितना मैंने लिया है।" सोनी सब के पश्मीना पर अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें, जो अक्टूबर में आपके टेलीविजन स्क्रीन पर आएगा!

एक अनोखी लड़ाई की कहानी बयां करती 'जर्नी' का ट्रेलर रिलीज

सचिन जीवनराव दाभाड़े द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'जर्नी' का रहस्यमयी ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। सचिन दाभाड़े फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में शांतनु मोघे, शारवरी जेमेनिस, शुभम मोरे, अंजलि उजवने, योगेश सोमन, ओंकार गोवर्धन, सुनील गोडबोले, मिलिंद दास्ताने, माही बुटाला, निखिल राठौड़ मुख्य भूमिकाओं में हैं। सचिन दाभाड़े की कहानी रवींद्र मठाधिकारी ने लिखी है। भास्कर देवेंग्रेकर, तानाजी माने, संतोष राठौड़, अनिकेत अरविंद बुटाला 'जर्नी' के सह–निर्माता हैं। इस रोमांचक ट्रेलर में एक लड़का लापता नजर आ रहा है और उसके माता–पिता उसे ढूंढने की पूरी कोशिश कर रहे हैं. अब क्या ये लड़का सच में लापता है या फिर ये अपने माता–पिता के पास से भाग गया है? आखिर यह लापता लड़का कहां है, कठिन रास्ते पर उसे किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और यह यात्रा उसे कहां ले जाएगी, इन सभी सवालों के जवाब दर्शकों को 13 अक्टूबर को मिलेंगे। निर्देशक सचिन दाभाड़े कहते हैं, "फिल्म 'जर्नी' एक सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें जीवन, रिश्तों और परिवार के साथ संघर्ष को उजागर किया जाएगा। इस 'जर्नी' में दर्शकों के लिए बहुत कुछ है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत कुछ है।" पीछे छूट गया है और उसे वापस लाने की जरूरत है। यह प्रयास 'जर्नी' में किया गया है। हर माता–पिता को अपने बच्चों के साथ यह फिल्म देखनी चाहिए।"

रब दी मेहर फिल्म के लिए गायिका अर्पिता चक्रवर्ती बनी संगीतकार

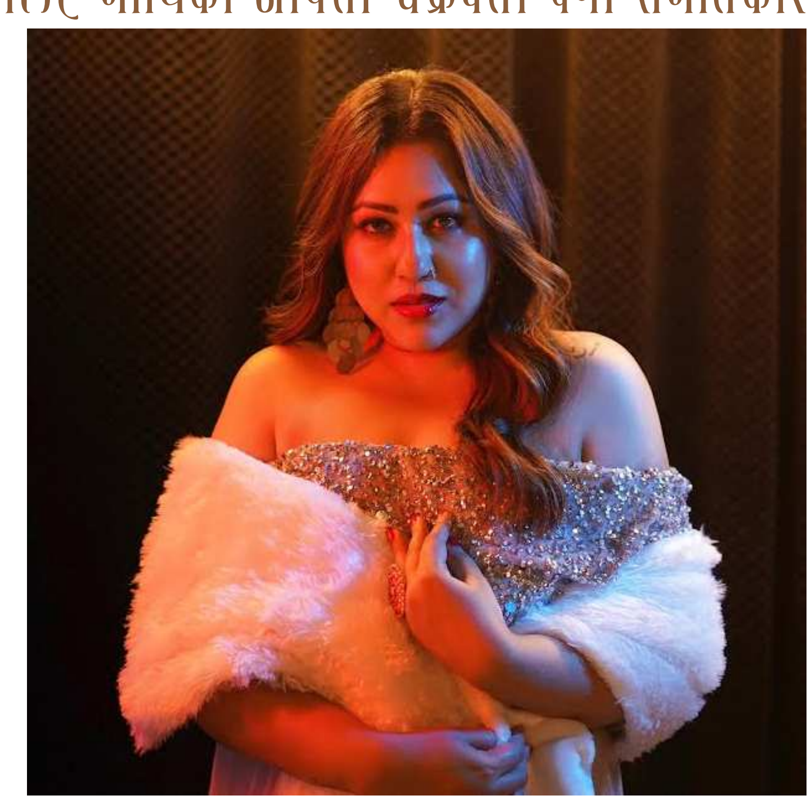

अदनान सामी से लेकर शंकर महादेवन तक, कई लोकप्रिय गायकों को सहजता से पूर्ण फिल्म संगीतकार बनते देखा गया है। हाल के वर्षों में, किसी ने अरिजीत सिंह को भी ऐसा ही करते हुए और 'पगलैट' में अपनी रचनाओं के लिए प्रशंसा जीतते हुए देखा। अब, अर्पिता चक्रवर्ती पंजाबी फिल्म 'रब्ब दी मेहर' के लिए संगीत तैयार करके गायकों से संगीतकार बनने की इस नस्ल में शामिल हो गई हैं। 'रब दी मेहर' का एल्बम, जिसे हाल ही में जी म्यूजिक कंपनी पर रिलीज किया गया था, में अर्पिता द्वारा रचित दो मूल ट्रैक ('लावान' और 'माशाअल्लाह') शामिल हैं। बहुप्रतीक्षित पंजाबी में पंजाब के टॉप एक्टर शामिल हैं। एक रोमांटिक ड्रामा होने के नाते, 'रब दी मेहर' में म्यूजिक एक खास भूमिका निभाती है और अर्पिता की मधुर धुनों ने फिल्म के विषय और परिवेश के साथ पूरा न्याय किया है। कंपोजिंग में उतरने के अपने निर्णय के बारे में बात करते हुए, अर्पिता कहती हैं, "संगीत रचना मेरे अंदर बहुत स्वाभाविक रूप से आती है। जबकि गायन हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा, मैंने हमेशा मौलिक रचनाएँ बनाने की प्रक्रिया का भी आनंद लिया है। मैं भारतीय शास्त्रीय संगीत पृष्ठभूमि से हूं। मेरी गुरु मां, दिवंगत तापती चक्रवर्ती, हमेशा मौलिकता के महत्व और संगीत के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाने पर जोर देती थीं। एक संगीतकार के रूप में मुझे आकार देने में उनकी शिक्षाओं और मार्गदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेरी संगीत यात्रा के शुरुआती चरण में, मुझे विभिन्न प्रकार के संगीत वाद्ययंत्रों से परिचित कराया गया। चूंकि मैं हर तरह का संगीत सुनकर बड़ी हुयी हूं, इसलिए मैं अलग–अलग शैलियों के गाने बना सकती हूं।" एक गायिका के रूप में, अर्पिता को 'रस्के भरे तोरे नैन' ('सत्याग्रह'), 'खोया खोया' ('हीरो') और 'पैसा ये पैसा' ('टोटल धमाल') जैसे चार्टबस्टर्स और स्वतंत्र संगीत में उनके काम के लिए जाना जाता है। अंतरिक्ष। कुछ समय पहले अर्पिता ने अपना सिंगल 'बखुदा' रिलीज किया था जिसे श्रोताओं ने खूब पसंद किया। उनके द्वारा लिखित, संगीतबद्ध और गाया हुआ, 'बखुदा' जी म्यूजिक कंपनी पर रिलीज किया गया था। 'रब दी मेहर' के साथ उन्होंने संगीतकार के तौर पर अपने कलात्मक करियर की एक नई यात्रा शुरू की है। रचनाएँ बनाने की अपनी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए, वह कहती हैं, "शुरुआत में, जब मैंने खुद को संगीतकार के रूप में पेश करने के लिए धुनें बनाना शुरू किया, तो मैं थोड़ी घबराई हुई थी। हालाँकि, अब जब मैं संगीत रचता हूँ, तो धुनें और धुनें मेरे अंदर स्वाभाविक रूप से आती हैं। जब मुझसे 'रब दी मेहर' के लिए संगीत बनाने के लिए संपर्क किया गया, तो मैंने फिल्म की कहानी और उसके पात्रों के बारे में अच्छी जानकारी लेने की कोशिश की। मुझे अपने आईफोन पर तानपुरा और हारमोनियम जैसे सरल उपकरणों के साथ वॉयस नोट्स रिकॉर्ड करना याद है। जब फिल्म के निर्माताओं ने धुनें सुनीं, तो वे उनकी सादगी से प्रभावित हुए और नहीं चाहते थे कि मैं उनमें किसी भी तरह का बदलाव करूं।" अर्पिता, जिन्होंने 25 से अधिक भाषाओं में गाना गाया है, एक फिल्म संगीतकार के रूप में अपना पहला कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं और यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि यह नई यात्रा उन्हें कहां ले जाएगी। गायिका–संगीतकार ने संगीत निर्देशक के रूप में अपनी दूसरी फिल्म पर काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी विस्तृत जानकारी जल्द ही घोषित की जाएगी। अर्पिता एक सिंगल पर भी काम कर रही हैं जो इस साल रिलीज होगी।